संस्थान में आयोजित हिन्दी दिवस/पखवाड़ा, 2017 की रिपोर्ट

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, बहरमपुर [प.बं.] में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी माह सितम्बर के दौरान अर्थात **दिनांक 01.09.2017 से 08.09.2017** तक विविध प्रतियोगिताओं यथा हिंदी टिप्पण व आलेखन, शब्दावली, निबंध, वाद-विवाद, सुलेख व श्रुतिलेख, राजभाषा प्रश्नोत्तरी [क्वीज], स्मृति परीक्षण [मेमोरी टेस्ट], हिंदी टंकण तथा तात्क्षणिक भाषण का सफल आयोजन किया गया ताकि संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों में राजभाषा हिन्दी के प्रति प्रेरणा व प्रोत्साहन की भावना संचारित होने के साथ ही साथ राजभाषा प्रावधानों के सम्यक कार्यान्वयन व अनुपालन में और भी गति आ सके। हिन्दी दिवस/पखवाड़ा, 2017 के मुख्य समारोह का भव्य आयोजन **दिनांक 14.09.2017** के अपराह्न में संस्थान के प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता संस्थान की वैज्ञानिक-डी व निदेशक प्रभारी महोदया श्रीमती चंदना माजि द्वारा किया गया। समारोह के दौरान **श्री विजय वीर सिंह, प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय, बहरमपुर महोदय विशिष्ट अतिथि** के तौर पर विराजमान थे।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि, प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय तथा संस्थान की वैज्ञानिक-डी महोदया श्रीमती चंदना माजि तथा उपस्थित अन्यान्य अधिकारियों के कर कमलों द्वारा शहतूत पौध में जल अर्पण व संस्थान के श्री पुलक मुखोपाध्याय, तकनीकी सहायक के मंगलाचरण व पधारे विशिष्ट जनों के सुस्वागतम के साथ समारोह का शुभारंभ किया गया।

इस दौरान प्रबुद्ध व विशिष्ट जनों अर्थात् माननीय श्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री, भारत सरकार, श्री एम. के. हनुमन्तरायप्पा, अध्यक्ष, केन्द्रीय रेशम बोर्ड तथा श्री आर. सतीश कुमार, निदेशक [वित्त] व सदस्य सचिव [प्रभारी], केन्द्रीय रेशम बोर्ड से प्राप्त अपील/संदेश का पाठन संस्थान के श्री देवाशीष चक्रवर्ती, वैज्ञानिक-डी, श्रीमती चंदना माजि, वैज्ञानिक-डी व निदेशक प्रभारी एवं श्री सनातन टियाडी, सहायक निदेशक [प्रवले] द्वारा किया गया। इस दौरान संस्थान के श्री आर. बी. चौधरी, सहायक निदेशक [राभा] द्वारा वर्ष 2016-17 की वार्षिक राजभाषा प्रगति व उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा भी प्रस्तुत किया गया।

तत्पश्चात, समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि तथा संस्थान की श्रीमती चंदना माजि, वैज्ञानिक-डी व निदेशक प्रभारी द्वारा संस्थान के संबद्ध केन्द्रों और इसके अनुभागों को वर्ष 2016-2017 के दौरान

राजभाषा नीति तथा इसके प्रावधानों के कार्यान्वयन में उत्कृष्ट योगदान हेतु क्षेरेउअके, जोरहाट को राजभाषा चलशील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र, क्षेरेउअके, कोरापुट को राजभाषा प्रशस्ति-पत्र, अनुसंधान विस्तार केन्द्र, अगरतला को राजभाषा चलशील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र और महेशपुरराज को राजभाषा प्रशस्ति-पत्र समेत संस्थान के पीएमसीई प्रभाग को राजभाषा चलशील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र, विस्तार प्रभाग को राजभाषा प्रशस्ति-पत्र, जैव-प्रौद्योगिकी अनुभाग को राजभाषा चलशील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र एवं रेशमकीट रोग निदान अनुभाग को राजभाषा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित व पुरस्कृत किया गया।

साथ ही साथ, इस दौरान पधारे मुख्य अतिथि एवं संस्थान की श्रीमती चंदना माजि, वैज्ञानिक-डी व निदेशक प्रभारी द्वारा हिन्दी पखवाड़ा, 2017 के दौरान आयोजित कुल 09 [नौ] प्रतियोगितओं के विजेता प्रतिभागियों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सांत्वना पुरस्कार प्रदान करने के साथ-साथ वर्ष 2016-17 के दौरान मूल रूप से राजभाषा हिन्दी में निष्पादित सरकारी कामकाज हेतु कुल 08 अधिकारियों/पदधारियों को प्रोत्साहन स्वरूप नकद राशि एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उन्हें राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन के प्रति प्रेरित व प्रोत्साहित किया गया।

इस अवसर पर माननीय श्री विजय वीर सिंह, प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय, बहरमपुर, विशिष्ट अतिथि द्वारा अपने अभिभाषण में यह उदगार व्यक्त किया कि हिन्दी अपनी सरलता और सहजता के कारण अब सिर्फ राष्ट्रीय स्तर तक सीमित न रहकर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी एक अलग पहचान बना चुकी है। साथ ही, उन्होंने संस्थान के पदधारियों के हिंदी के प्रति उत्साह और लगाव हेतु उनकी प्रशंसा करते हुए यह भी कहा कि सभी देशवासियों का यह नैतिक दायित्व है कि वो राजभाषा हिंदी को उसके मुकाम तक ले जाए।

तत्पश्चात, संस्थान की श्रीमती चंदना माजि, वैज्ञानिक-डी व निदेशक प्रभारी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि भारतीय संविधान मे हिन्दी को पूर्ण रुप से राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया है और इस प्रकार हमारी नैतिक जिम्मेवारी बनती है कि हम इसे और भी मजबूत बनाएं तथा प्रशासनिक क्षेत्रों के साथ-साथ तकनीकी और शोध के क्षेत्र में भी राजभाषा हिंदी को उचित स्थान व मर्यादा प्रदान कर अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करें। साथ ही, उनके द्वारा विजेता प्रतिभागियों समेत संस्थान के सभी

अधिकारियों/पदधारियों को अपना ज्यादातर काम हिन्दी में ही निष्पादित करने की सलाह दी गई ताकि इस दिशा में भविष्य में हमें आशातीत सफलता मिल सके।

इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान में अध्यनरत पीजीडीएस के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग गीत व संगीत प्रस्तुति के साथ ही साथ केन्द्रीय विद्यालय, बहरमपुर के छात्र-छात्राओं द्वारा भी विद्यालय के संगीत शिक्षिका महोदया के निर्देशन में मनमोहक नृत्य और सुरीले गीत/संगीत का बेहतरीन प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर, वैज्ञानिक-डी व निदेशक प्रभारी महोदया द्वारा केन्द्रीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं को उनके सुन्दर व आकर्षक प्रस्तुति व रंगारंग कार्यक्रम के लिए प्रशंसा-पत्र और एक-एक कलम प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

सर्वशेष में संस्थान के कनिष्ठ अनुवादक [हिंदी] द्वारा इस दौरान पधारे विशिष्ट अतिथि समेत संस्थान के समस्त अधिकारियों/पदधारियों को इस समारोह को सफल बनाने में प्रदत्त सहयोगिता व प्रतिभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह की समाप्ति की घोषणा की गई।